भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर (2026-2027)

कक्षा - नवीं (२०२६ - २०२७)	विषय: अर्थग्रहण (अपठित गद्यांश)	Date - 19-04-2026
कार्य-पत्रिका संख्या: 1		Note: Pl. file in portfolio

नाम: _____अनुभाग: _____अनुक्रमांक: _____दिनांक: _____

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

अनुशासन जीवन की सफलता का महामंत्र है। समस्त प्रकृति अनुशासन का पालन स्वतः ही करती है। सूर्य का उदय तथा अस्त होना, ऋतुओं का चक्र, रात और दिन – सब अनुशासन का पालन करते हैं। मनुष्य-जीवन में भी अनुशासन का विशेष महत्त्व है। हम सभी प्रायः विद्यालय में ही अनुशासन का प्रथम पाठ पढ़ते हैं। गुरुजनों को भी वही शिष्य सबसे प्रिय होता है, जो उनके बताए मार्ग पर चलता है, अनुशासित रहता है तथा विद्यालय के नियमों का पालन करता है। परिवार में भी अनुशासनहीन रहने वाले को प्रताड़ना ही मिलती है। चींटी जैसे जीव का जीवन तो अनुशासन का एक अनुपम उदाहरण है। युद्ध में अथवा खेल में अनुशासन ही विजय दिलाता है। सेनापति के निर्देश और कप्तान के आदेश का पालन सफलता की कुंजी होती है। हमारे समाज और देश की उन्नति के लिए यह अनिवार्य है कि हम उनके नियमों और क़ानूनों को मानें तथा उनका पालन करें। अत्याचार और अनाचार का विरोध भी करना हो, तो भी अनुशासित ढंग से करें। स्वयं अनुशासन का पालन करते हुए ही हम दूसरों को अनुशासित कर सकते हैं। परिवार में, समाज में या सार्वजनिक स्थलों पर अगर हम स्वयं अनुशासन का पालन करते हैं तो इसका प्रभाव अन्य लोगों पर भी पड़ता है और उनके व्यवहार में परिवर्तन आता है।

(i). अनुशासन का अर्थ है –

(क) नियमों का पालन (ख) नियमों का उल्लंघन

(ग) अंग्रेज़ी शासन (घ) नेताओं का शासन

(ii). उपर्युक्त गद्यांश के संबंध में कौन-सा कथन असत्य है?

(क) सफलता के लिए अनुशासन आवश्यक नहीं है।

(ख) अनुशासन मानव-जीवन को सफल बनाता है।

(ग) देश की प्रगति के लिए नियमों एवं क़ानूनों का पालन किया जाना चाहिए।

(घ) अत्याचार एवं अनाचार का विरोध अनुशासित ढंग से किया जाना चाहिए।

(iii). कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए:-

कथन (A): अनुशासनविहीन व्यक्ति अपने जीवन में सफल नहीं हो सकता।

कारण (R): अनुशासन जीवन-निर्माण का मूल मंत्र है।

(क) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।

(ख) कथन ग़लत है, लेकिन कारण सही है।

(ग) कथन सही है, लेकिन कारण उसकी ग़लत व्याख्या करता है।

(घ) कथन व कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(iv). प्रकृति अनुशासन का पालन किस प्रकार करती है?

(v). शिक्षकों को कैसे छात्र पसंद होते हैं?

प्रश्न 2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

अनुभवी व्यक्तियों का कहना है, लक्ष्य चुनना ही काफ़ी नहीं होता, बल्कि उसे जितनी जल्दी चुना जाए, उतना ही बेहतर है। कई बड़े क़ाबिल लोग लक्ष्य चुनने में इतनी देर कर देते हैं कि उसे हासिल करने के लिए जीवन में समय ही नहीं बचता। इसीलिए स्कूली स्तर पर ही भाषा, गणित, विज्ञान समेत सभी विषयों के साथ-साथ खेल-कूद, नृत्य-संगीत जैसी विधाओं को भी पाठ्यक्रमों से जोड़ा जाता है, ताकि कच्ची उम्र से ही बच्चे अपनी रुचि के अनुरूप जीवन का लक्ष्य तय कर उस दिशा में आगे बढ़ सकें। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि अपने शौक को लक्ष्य और फिर पेशे के रूप में चुनने से सफलता सुनिश्चित हो जाती है, क्योंकि इन्हें हासिल करने में इंसान अपना दिल, दिमाग़ और ताक़त लगा देता है। लक्ष्य-निर्धारण में देरी का अर्थ ही दूसरों से पिछड़ना है। आमतौर पर बच्चे कहते हैं कि मैं बड़ा होकर डॉक्टर, इंजीनियर या आई० ए० एस० अफ़सर बनूँगा, लेकिन इससे आगे बढ़ने का प्रयास नहीं करते। स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने तो किशोरावस्था में ही गायिका बनने का प्रयास शुरू कर दिया था और इतिहास रच दिया। तय है, लक्ष्य के साथ जीना सीखने वाले मुड़कर नहीं देखते। इसलिए सोच-विचार में समय गँवाने के बजाय लक्ष्य चुनिए और उड़ान भरना शुरू कीजिए।

(i). अनुभवी व्यक्तियों का लक्ष्य-चयन के विषय में क्या मत है?

(क) लक्ष्य सोच-विचार कर शीघ्र निर्धारित करना चाहिए।

(ख) लक्ष्य-निर्धारण करने में बड़ों की सलाह लेनी चाहिए।

(ग) लक्ष्य-निर्धारण करने में जल्दबाज़ी नहीं करनी चाहिए।

(घ) लक्ष्य-निर्धारण आर्थिक लाभ को देखकर किया जाना चाहिए।

(ii). उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार आमतौर पर बच्चे क्या बनना चाहते हैं?

(क) डॉक्टर (ख) इंजीनियर

(ग) आई० ए० एस० (घ) पूर्वोक्त तीनों विकल्प सही हैं।

(iii). स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने किस अवस्था में गायिका बनने का प्रयास शुरू कर दिया था?

(क) प्रौढ़ावस्था (ख) वृद्धावस्था (ग) शैशवावस्था (घ) किशोरावस्था

(iv). लक्ष्य के चुनाव में मनोवैज्ञानिकों का क्या मत है?

(v). स्कूली स्तर पर कौन-से विषयों और विधाओं को पाठ्यक्रमों से जोड़ा जाता है और क्यों?

उत्तर

उत्तर 1.

(i) (क) नियमों का पालन

(ii) (क) सफलता के लिए अनुशासन आवश्यक नहीं है।

(iii) (घ) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(iv) समस्त प्रकृति अनुशासन का पालन स्वतः ही करती है। सूर्य का उदय तथा अस्त होना, ऋतुओं का चक्र, रात और दिन – सब अनुशासन का पालन करते हैं।

v) गुरुजनों को भी वही शिष्य सबसे प्रिय होता है, जो उनके बताए मार्ग पर चलता है, अनुशासित रहता है तथा विद्यालय के नियमों का पालन करता है।

उत्तर 2.

(i) (क) लक्ष्य सोच-विचार कर शीघ्र निर्धारित करना चाहिए।

(ii) (घ) पूर्वोक्त तीनों विकल्प सही हैं।

(iii) (घ) किशोरावस्था

(iv) मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि अपने शौक को लक्ष्य और फिर पेशे के रूप में चुनने से सफलता सुनिश्चित हो जाती है, क्योंकि इन्हें हासिल करने में इंसान अपना दिल, दिमाग़ और ताक़त लगा देता है।

(v) स्कूली स्तर पर ही भाषा, गणित, विज्ञान समेत सभी विषयों के साथ-साथ खेल-कूद, नृत्य-संगीत जैसी विधाओं को भी पाठ्यक्रमों से जोड़ा जाता है, ताकि कच्ची उम्र से ही बच्चे अपनी रुचि के अनुरूप जीवन का लक्ष्य तय कर उस दिशा में आगे बढ़ सकें।